शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

ऑरेंज कैप रेस में बड़ा उलटफेर, वैभव ने कोहली को पछाड़ा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी ने मचाया धमाल, 'भूत बंगला' बॉक्स ऑफिस पर छाई

Page-05

रिकॉर्ड मतदान ने लोकतंत्र के प्रति जनता की मजबूत भागीदारी को दिखाया।हालांकि, हिंसा और राजनीतिक टकराव ने चुनावी माहौल को तनावपूर्ण बना दिया।पूरे घटनाक्रम ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर सवाल भी खड़े किए।

बंगाल में रिकॉर्ड मतदान के बीच हिंसा और हंगामा

- **पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में रिकॉर्ड करीब 90% वोटिंग दर्ज हुई, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर सबसे आगे रहा।**
- **कई जिलों में हिंसा, झड़प और अव्यवस्था की घटनाएं सामने आईं।**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड तोड़ मतदान दर्ज किया गया, जहां शाम 5 बजे तक करीब 89.93% वोटिंग हुई। कई जिलों में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर सबसे आगे रहा, जहां लगभग 93.12% मतदान हुआ। दोपहर 3 बजे तक ही राज्य में 78.77% मतदान दर्ज किया जा चुका था, जो पिछले चुनावों के मुकाबले अधिक माना जा रहा है।हालांकि, इस उत्साह के बीच कई इलाकों से हिंसा और झड़प की घटनाएं भी सामने आईं। बहरामपुर में कांग्रेस एजेंट पर हमले का मामला सामने आया, जिसमें पिता-पुत्र की पिटाई का आरोप तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगा। अधीर रंजन चौधरी घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे।बीरभूम में शाम के समय बड़े पैमाने पर हंगामा हुआ, जहां पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके गए। केंद्रीय बलों और स्थानीय लोगों के बीच तीखी बहस के बाद स्थिति और बिगड़ गई। वहीं नंदीग्राम में मतदान के अंतिम चरण में तनाव बढ़ गया, जहां TMC नेता राखहारी घड़ा पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मारपीट का आरोप लगाया गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इसी बीच पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 9 पर बड़ी लापरवाही सामने आई, जहां सभी मतदान कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। आरोप है कि पीठासीन अधिकारी समेत पूरा स्टाफ एक साथ बूथ छोड़कर भोजन के लिए चला गया था, जिसके बाद चुनाव आयोग ने सख्त कार्रवाई करते हुए जांच के आदेश दिए और रिजर्व टीम को मतदान की जिम्मेदारी सौंपी।

ट्रंप प्रशासन का सहयोगियों पर सख्त रुख

वाशिंगटन से सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि व्हाइट हाउस ने NATO सदस्य देशों की एक 'नॉटी और नाइस' (Naughty and Nice) सूची तैयार की है। पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सूची उन सहयोगी देशों का मूल्यांकन करने के लिए बनाई गई है, जिन्होंने ईरान से जुड़े संघर्ष के दौरान अमेरिका के रुख का कितना समर्थन किया।रिपोर्ट में बताया गया है कि इस पहल पर काम NATO महासचिव मार्क रुटे की वाशिंगटन यात्रा से पहले ही शुरू कर दिया गया था। 'नॉटी और नाइस' सूची के जरिए सदस्य देशों को उनके रक्षा खर्च, सामरिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अमेरिका के साथ खड़े होने के आधार पर वर्गीकृत किया जा रहा है।यह कदम डोनाल्ड ट्रंप के उस कड़े रुख को दर्शाता है, जिसमें वे लगातार NATO सहयोगियों को रक्षा खर्च बढ़ाने और अमेरिकी नीतियों के समर्थन के लिए दबाव बनाते रहे हैं। माना जा रहा है कि जो देश अमेरिका की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें कूटनीतिक या रणनीतिक स्तर पर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले ही स्पष्ट किया था कि जो देश सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं—जैसे इजरायल, दक्षिण कोरिया, पोलैंड, जर्मनी और बाल्टिक देश—उन्हें विशेष समर्थन मिलेगा। वहीं, जो देश सामूहिक सुरक्षा में योगदान नहीं देंगे, उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाया जा सकता है।

महुआ मोइत्रा के पोस्ट से सियासी बवाल

महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल में मतदान के बीच एक विवादित बयान और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद ने सार्वजनिक रूप से कोलकाता में मौजूद भारतीय जनता पार्टी के दो नेताओं की कथित लोकेशन और गतिविधियों का खुलासा करते हुए तीखा हमला बोला।मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक तस्वीर साझा की, जो देखने में कथित रूप से 'हिट लिस्ट' जैसी प्रतीत हो रही थी। इस तस्वीर में भाजपा नेता सौरभ सिंह और स्वदेश सिंह के नाम को लाल घेरे में दर्शाया गया था, साथ ही "S+S" लिखा हुआ था। इसके अलावा, हाल ही में भाजपा में शामिल हुए टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस का नाम भी इस पोस्ट में दिखाई दिया। मोइत्रा ने आरोप लगाया कि सौरभ सिंह बंगाल में मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से कथित 'वितरण' गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में दावा किया कि उनके ट्वीट के बाद सिंह अपनी टीम के साथ एक होटल से दूसरे होटल की ओर जा रहे हैं, और इस दौरान उन्होंने उनकी लोकेशन का भी खुलासा किया। साथ ही उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि बंगाल में उन्हें कोई नहीं बचा पाएगा। यह पहली बार नहीं है जब मोइत्रा ने इस तरह के आरोप लगाए हों। इससे पहले भी उन्होंने दावा किया था कि इन नेताओं को भाजपा नेतृत्व द्वारा पैसे बांटने और वसूली करने के लिए भेजा गया है।

बोले—'बंगाल में बदल रही है हवा'

कृष्णानगर रैली में पीएम मोदी का विपक्ष पर हमला

नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राज्य की राजनीति और चुनावी माहौल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला चुनाव है, जिसमें हिंसा सबसे कम देखने को मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले के चुनावों में लगातार हिंसा होती थी और उसे आत्महत्या का नाम दे दिया जाता था, जिससे एक तरह का 'गुंडाराज' कायम था।प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के लिए चल रहे प्रचार के बीच यह साफ संकेत मिल रहे हैं कि राज्य में बदलाव की लहर है। उन्होंने दावा किया कि जहां-जहां अधिक मतदान हुआ है, वहां भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिला है। साथ ही उन्होंने मतदाताओं से लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने के लिए आभार भी जताया।कृष्णानगर की रैली में उन्होंने कहा कि यहां का माहौल 'भय पर भरोसे की जीत' को दर्शा रहा है। उनके अनुसार, वर्षों से दबाई गई आवाजें अब खुलकर सामने आ रही हैं और गांव-गांव, गली-गली में लोग बदलाव की बात कर रहे हैं। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि भाजपा-एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से प्रयास करें और 4 मई को जीत का जश्न मनाने की बात कही।तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य में जनता में भारी आक्रोश है और कई जिलों में पार्टी का खाता तक नहीं खुलेगा। उन्होंने 'झालमुड़ी' का जिक्र करते हुए तंज कसा कि इसकी मिर्च का असर तृणमूल कांग्रेस को महसूस हो रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 साल पहले वाम दलों के खिलाफ जनता ने आवाज उठाई थी और अब तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ भी वैसी ही स्थिति बन रही है। उनके अनुसार, यह चुनाव किसी नेता या पार्टी का नहीं, बल्कि बंगाल की जनता खुद लड़ रही है। उन्होंने कहा कि किसान, सरकारी कर्मचारी, डॉक्टर, वकील, शिक्षक, व्यापारी और आम नागरिक सभी भयमुक्त वातावरण और बेहतर व्यवस्था के लिए मतदान कर रहे हैं।

बंगाल चुनाव के पहले चरण में हिंसा

कई जिलों में झड़प, तोड़फोड़ और हंगामे की घटनाएं

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान जहां एक ओर मतदाताओं में उत्साह देखा गया, वहीं दूसरी ओर कई जिलों से हिंसा, झड़प और अव्यवस्था की घटनाएं सामने आई हैं। मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, सिलीगुड़ी और मालदा सहित कई क्षेत्रों में हालात तनावपूर्ण बने रहे।मुर्शिदाबाद के नौदा इलाके में AJUP प्रमुख और रेजीनगर सीट से उम्मीदवार हुमायूं कबीर के काफिले पर हमला किया गया। उपद्रवियों ने उनकी गाड़ी पर लाठी और ईंटों से हमला किया, जिसके बाद तृणमूल कांग्रेस और AJUP समर्थकों के बीच तीखी झड़प हुई। घटना के बाद कबीर ने पुलिस प्रशासन से बहस करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की।कूचबिहार के तूफानगंज में मतदान के दौरान भारी भीड़ के कारण स्थिति बिगड़ गई, जिसके बाद केंद्रीय बलों (CAPF) को लाठीचार्ज करना पड़ा। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर हमला किए जाने का मामला सामने आया। उन्होंने आरोप लगाया कि TMC समर्थकों ने पुलिस की मौजूदगी में उनके साथ मारपीट की। मालदा के मोथाबाड़ी क्षेत्र में EVM खराब होने पर मतदाताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बालुआचारा हाई स्कूल बूथ पर चुनाव अधिकारी के देर से पहुंचने पर लोगों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की की। इसी जिले के हरिश्चंद्रपुर में TMC के दो गुटों के बीच टकराव हुआ, जहां पार्टी के कैंप कार्यालय में तोड़फोड़ की गई। स्थानीय नेताओं ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। सिलीगुड़ी में एक मतदान केंद्र पर TMC और BJP कार्यकर्ताओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। मौके पर मौजूद BJP उम्मीदवार शंकर घोष के सामने हालात बिगड़े, हालांकि CAPF जवानों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

भारत-अफ्रीका संबंधों को नई दिशा, सहयोग के लिए बनेगा ठोस रोडमैप

नई दिल्ली में 28–31 मई 2026 को भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। यह सम्मेलन व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और विकास पर फोकस करेगा। इसका उद्देश्य ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करना और भारत-अफ्रीका साझेदारी को नई दिशा देना है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

दुनिया जहां एक ओर विभिन्न संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है, वहीं भारत वैश्विक चुनौतियों के समाधान और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। इसी क्रम में राजधानी नई दिल्ली में चौथा भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अफ्रीकी देशों के राष्ट्राध्यक्षों, अफ्रीकी संघ आयोग और विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। इसका उद्देश्य भारत और अफ्रीका के बीच बहुआयामी साझेदारी को और सुदृढ़ करना तथा भविष्य के सहयोग के लिए ठोस रूपरेखा तैयार करना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में इस सम्मेलन का लोगो, थीम और आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की। इस बार सम्मेलन की थीम 'भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी: नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन' रखी गई है, जो दोनों पक्षों के बीच गहराते संबंधों और व्यापक सहयोग को दर्शाती है। सम्मेलन से पहले 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी, जिसमें सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन एक अहम मंच है, जो संवाद को बढ़ावा देने और परस्पर लाभकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। यह संबंध समानता, परस्पर सम्मान, एकजुटता और साझा समृद्धि के सिद्धांतों पर आधारित है। पिछले सम्मेलनों के बाद अफ्रीका में भारत की विकास सहायता और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे दोनों के रिश्ते और मजबूत हुए हैं। रणनीतिक दृष्टि से यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब वैश्विक स्तर पर जटिल चुनौतियां सामने हैं। अफ्रीका का महत्व लगातार बढ़ रहा है और भारत ने भी अपनी विदेश नीति में उसे प्रमुख स्थान दिया है। भारत आज अफ्रीका के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों और निवेशकों में शामिल है, जो इस संबंध की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत और अफ्रीका के रिश्तों की जड़ें ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों में निहित हैं। सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मानवीय संपर्कों ने इस साझेदारी को मजबूत किया है। उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष के दौरान भी भारत ने अफ्रीकी देशों के साथ एकजुटता दिखाई, जिससे यह संबंध और गहरा हुआ। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत लगातार वैश्विक मंचों पर अफ्रीका के उचित प्रतिनिधित्व का समर्थन करता रहा है। वर्ष 2023 में जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करना इसी दिशा में एक बड़ा कदम था। इसके अलावा, यह सम्मेलन आर्थिक, व्यापारिक और तकनीकी सहयोग को नई गति देगा। ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की संभावना है। साथ ही, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर भी साझा रणनीति विकसित की जाएगी। कुल मिलाकर, चौथा भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन भारत और अफ्रीका के संबंधों को नई ऊंचाई देने के साथ-साथ एक संतुलित और समावेशी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

अननोन गनमैन का कहर जारी, बलूचिस्तान में मची दहशत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पाकिस्तान में "अननोन गनमैन" का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर अज्ञात हमलावरों ने देश के अहम तेल ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़ा हमला किया है। इस बार हमला नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड की बलूचिस्तान स्थित साइट पर हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हथियारबंद हमलावरों ने अचानक रिफाइनरी परिसर में घुसकर फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही वहां काम कर रहे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई और सभी ने सुरक्षित स्थानों की ओर भागकर अपनी जान बचाई। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एहतियात के तौर पर रिफाइनरी का संचालन कुछ समय के लिए रोक दिया गया। कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर दिया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, नुकसान सीमित बताया जा रहा है, लेकिन विस्तृत जांच अभी जारी है। हमले के तुरंत बाद इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है, साथ ही अन्य तेल और गैस प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है ताकि किसी और हमले को रोका जा सके।

मतदान केंद्रों पर रोबोट की एंट्री, लोगों में दिखा उत्साह

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कोयंबटूर के गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज के छात्रों ने तकनीक और जागरूकता का अनोखा संगम पेश करते हुए एक खास रोबोट तैयार किया है, जो तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहा है। यह रोबोट मतदान केंद्रों पर लोगों का स्वागत कर रहा है और उन्हें मिठाइयाँ बांटते हुए वोटिंग के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। इस रोबोट को वॉइस प्रोसेसिंग और रेडियो कंट्रोल (RC) तकनीक की मदद से विकसित किया गया है। इस पहल के बारे में छात्र विमल विजयन ने बताया कि उनका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना और 100 प्रतिशत वोटिंग सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लोगों से इस रोबोट को काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और यह मतदाताओं को लाइन में लगने और मतदान प्रक्रिया को समझने में भी मदद कर रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में मतदान को लेकर उत्साह साफ नजर आया। दोपहर 1 बजे तक करीब 62.18 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। तिरुप्पुर में सबसे अधिक 62.97 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद नामक्कल में 62.51 प्रतिशत और इरोड में 61.97 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। वहीं चेन्नई में 54.58 प्रतिशत, कोयंबटूर में 58.24 प्रतिशत और मदुरै में 54.75 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि नीलगिरि में सबसे कम 50.42 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गईराज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक के अनुसार, इस चुनाव में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता भाग ले रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और थर्ड-जेंडर वोटर शामिल हैं। मतदान शाम 6 बजे तक जारी रहेगा और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

तेल संकट गहराया!

100 डॉलर पार पहुंची कच्चे तेल की कीमत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब वैश्विक तेल बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि इससे पहले यह 120 डॉलर तक भी पहुंच चुकी थीं। हालांकि, युद्धविराम वार्ता के दौरान कुछ समय के लिए कीमतों में नरमी आई थी, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद रहने से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बढ़ती कीमतों के कारण भारतीय रिफाइनरियों को हर महीने करीब 27,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 से 28 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, सरकार ने इन दावों को खारिज करते हुए इन्हें "भ्रामक और शरारती" बताया है और कहा है कि ऐसा कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत में ईंधन की खुदरा कीमतें फिलहाल स्थिर हैं, जिसका एक कारण चुनावी माहौल भी हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों के बाद कीमतों में बदलाव संभव है। हालांकि, संभावित वृद्धि एक बार में नहीं होगी। आम जनता पर अचानक बोझ न पड़े और महंगाई नियंत्रण में रहे, इसके लिए कीमतों में चरणबद्ध बढ़ोतरी की जा सकती है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में आखिरी दांव

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। वाशिंगटन में हाल ही में हुई उच्चस्तरीय वार्ताओं के बाद संकेत मिले हैं कि ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और केवल कुछ जटिल विषयों पर अंतिम बातचीत बाकी है। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत को एक चुनौतीपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र लंबे समय से संरक्षित रहा है, जिससे वार्ता में कठिनाई आती है। हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि कुछ क्षेत्रों में सहमति बनने की संभावना है। विशेष रूप से डीडीजीएस जैसे पशु आहार उत्पादों पर बातचीत जारी है।तीन दिन तक चली इस वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने किया, जबकि अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व ब्रेंडन लिंच ने संभाला। दोनों देशों ने फरवरी में ही समझौते का प्रारूप जारी किया था, जिसमें व्यापार विस्तार और पारस्परिक लाभ पर जोर दिया गया था। लक्ष्य है कि 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए।इस बीच, अमेरिकी नीतियों में बदलाव का भी असर पड़ा है। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप प्रशासन के कुछ टैरिफ को असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद भारत नए वैश्विक शुल्क ढांचे के अनुसार समझौते में संशोधन की कोशिश कर रहा है। साथ ही, अमेरिका ने पूर्व में लगाए गए कुछ शुल्कों की वापसी प्रक्रिया शुरू की है, जिससे भारतीय निर्यात से जुड़े क्षेत्रों—जैसे वस्त्र, इंजीनियरिंग और रसायन—को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। हालांकि, इसका सीधा फायदा भारतीय कंपनियों को नहीं मिलेगा, क्योंकि दावा अमेरिकी आयातकों को करना होगा।

संपादक की कलम से

वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण विश्व के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। तेजी से हो रहे औद्योगीकरण, शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता के क्षरण के रूप में हमारे सामने स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वायु प्रदूषण आज बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुका है। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, कारखानों का उत्सर्जन और निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल वातावरण को विषैला बना रही है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। इसी प्रकार, जल स्रोतों का प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बन चुका है, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के पैटर्न में असामान्य बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना और समुद्र के जलस्तर में वृद्धि भविष्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। यदि समय रहते इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल सरकारों के प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। छोटे-छोटे कदम जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, पानी और बिजली की बचत, पेड़ लगाना और कचरे का उचित निपटान—इन सबके माध्यम से हम पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकते हैं। शिक्षा और जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि बच्चों और युवाओं को प्रारंभ से ही पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जाए, तो वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, सरकार को भी सख्त नीतियाँ बनानी चाहिए और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर नियंत्रण रखना और हरित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना समय की मांग है।अंततः, यह समझना जरूरी है कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी है। यदि हम आज पर्यावरण की अनदेखी करेंगे, तो भविष्य में इसके दुष्परिणामों से बचना कठिन होगा। इसलिए, हमें सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण ही मानव जीवन की स्थिरता और समृद्धि का आधार है। अब समय आ गया है कि हम जागरूक होकर प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की दिशा में ठोस कदम उठाएँ।

"झालमुरी खाई मैंने, मिर्ची TMC को लगी!"
बंगाल में PM मोदी का तंज भरा हमला

कृष्णानगर रैली में पीएम मोदी ने TMC पर घुसपैठ और 'जंगल राज' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। 'झालमुरी' टिप्पणी से तंज कसते हुए BJP की जीत का दावा किया। मतुआ-नामाशूद्र समुदाय को सुरक्षा और CAA के तहत नागरिकता प्रक्रिया तेज करने का आश्वासन दिया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया है। गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 को कृष्णानगर में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर जमकर निशाना साधा। अपने भाषण में उन्होंने न सिर्फ राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए, बल्कि 'घुसपैठ' और 'जंगल राज' जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया 'झालमुरी' खाने के अनुभव को भी राजनीतिक संदर्भ में जोड़ते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा, "मैंने झालमुरी खाई, लेकिन उसका तीखापन टीएमसी को लग गया।" यह बयान 19 अप्रैल को झाड़ग्राम में उनके एक हल्के-फुल्के पल की ओर इशारा था, जब उन्होंने चुनावी रैलियों के बीच स्थानीय स्नैक झालमुरी का आनंद लिया था। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी मौजूदगी और लोकप्रियता से टीएमसी असहज हो गई है। अपने संबोधन में मोदी ने लोगों से भाजपा-एनडीए के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 4 मई को चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का जश्न मनाया जाएगा, जिसमें मिठाइयों के साथ झालमुरी भी बांटी जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से "पूरी ताकत से जीत का झंडा लहराने" का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने राज्य की वर्तमान स्थिति की तुलना 15 साल पहले के वामपंथी शासन से करते हुए कहा कि जिस तरह उस समय लोग कम्युनिस्ट सरकार के खिलाफ खड़े हुए थे, आज उसी तरह जनता टीएमसी के खिलाफ खड़ी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में "जंगल राज" कायम है और भ्रष्टाचार तथा उत्पीड़न चरम पर है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा और सुशासन की नई शुरुआत होगी।उन्होंने टीएमसी पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। मोदी ने कहा, "हमारा नारा है 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन टीएमसी 'घुसपैठियों का साथ, घुसपैठियों का विकास' में विश्वास करती है।" इस बयान के जरिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकीय बदलाव जैसे मुद्दों को चुनावी बहस के केंद्र में लाने की कोशिश की। रैली में प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से मतुआ और नामाशूद्र समुदायों को संबोधित किया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा की सरकार बनने पर उन्हें किसी भी प्रकार का भय नहीं रहेगा। मोदी ने कहा कि जो लोग भारत में शरण और सम्मान की तलाश में आए हैं, उनके साथ सरकार मजबूती से खड़ी है। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने वादा किया कि पात्र लोगों को सभी अधिकार और सुविधाएं मिलेंगी, जो एक भारतीय नागरिक को मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के इस संबोधन के साथ ही पश्चिम बंगाल में चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है। दूसरे चरण के मतदान से पहले सभी राजनीतिक दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

मणिकम टैगोर का BJP-AIADMK पर सीधा वार

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने गुरुवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान तिरुपरनकुंड्रा विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर तीखा हमला बोला और उस पर क्षेत्र का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। मणिकम टैगोर ने कहा कि इस क्षेत्र में आरएसएस और भाजपा राजनीतिक गतिविधियों के जरिए माहौल प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार तिरुपरनकुंड्रा सीट पर भाजपा-एआईएडीएमके उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र का विकास बाधित रहा है, इसलिए यहां ऐसे विधायक की जरूरत है जो स्थानीय निकायों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम कर सके और जनता की आवाज बने। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में बढ़ती भागीदारी को सकारात्मक संकेत बताया। मणिकम टैगोर ने कहा कि मतदान का दिन बेहद महत्वपूर्ण होता है और इस बार लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए उत्साहित दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके बूथ पर करीब 36 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो एक अच्छी शुरुआत है और दिनभर यह आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, दूसरी ओर एआईएडीएमके उम्मीदवार पी. सरवनन ने भी मदुरै उत्तर विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। उन्होंने मतदान के बाद अपनी पार्टी की जीत को लेकर भरोसा जताया। सरवनन ने कहा कि एआईएडीएमके अपने नेतृत्व में मदुरै जिले और पूरे तमिलनाडु में मजबूत प्रदर्शन करेगी। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी मदुरै की सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी और पूरे राज्य में 210 से अधिक सीटों पर विजय हासिल करेगी। सरवनन ने इसे जनसमर्थन और विकास के मुद्दों पर आधारित जीत बताया।फिलहाल तमिलनाडु में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी है और सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।

सुवेंदु अधिकारी का बड़ा हमला
"सनातन बचाने के लिए जरूरी है परिवर्तन"

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए मामला भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान न केवल निंदनीय हैं, बल्कि चुनावी माहौल को भी प्रभावित करते हैं। निर्मला सीतारमण ने बताया कि वह आयोग के समक्ष इसलिए उपस्थित हुईं ताकि यह अवगत कराया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने चुनावी राज्य में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के लिए "आतंकवादी" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने इसे बेहद गंभीर और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इस तरह की भाषा लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर रही है और यह एक पैटर्न बन गया है। निर्मला सीतारमण के अनुसार, "यह पहली बार नहीं है, बल्कि बार-बार ऐसा हो रहा है। कांग्रेस के रवैये में कोई सुधार नहीं दिख रहा है और वे लगातार एक ही तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।" वित्त मंत्री ने इस मुद्दे के समय को भी बेहद संवेदनशील बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमला की बरसी का जिक्र करते हुए कहा कि जिस दिन निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने मारा गया था, उसकी पहली वर्षगांठ पर इस तरह की टिप्पणी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि "आज हम उस दर्दनाक घटना को याद कर रहे हैं, और ठीक उसी समय कांग्रेस अध्यक्ष चुनावी राज्य चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस तरह के बयान दे रहे हैं।" निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर दिए जा रहे ऐसे बयान न केवल राजनीतिक शिष्टाचार का उल्लंघन हैं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। उन्होंने आयोग से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि चुनावी प्रक्रिया की गरिमा बनी रहे।उन्होंने यह स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को आयोग के समक्ष विस्तार से रखा गया है और उम्मीद जताई कि आयोग इस पर संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस विवाद ने चुनावी माहौल को और अधिक गरमा दिया है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी बयानबाजी और तेज हो सकती है।

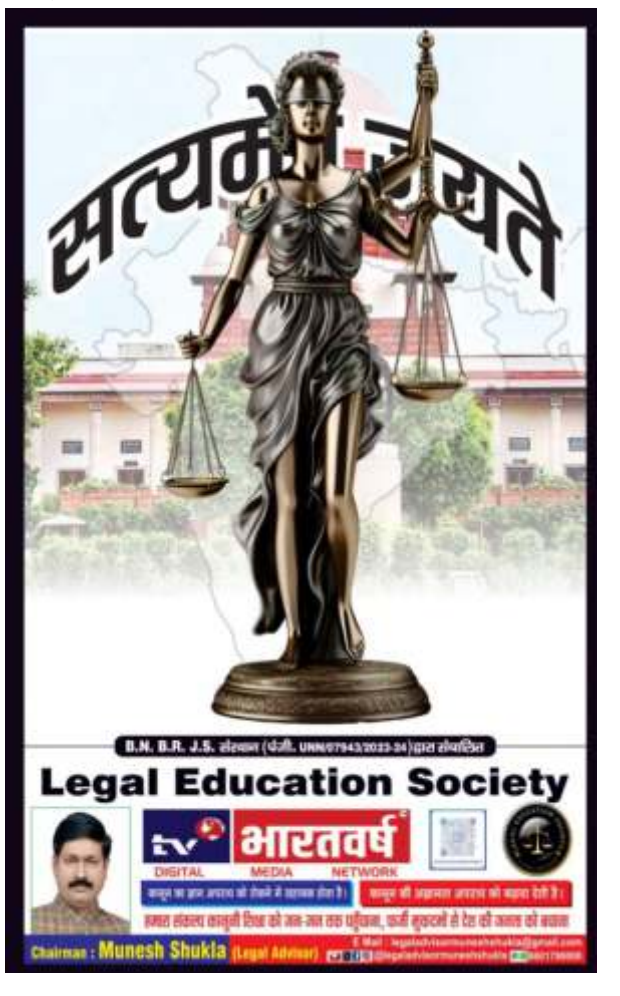

ऑनलाइन खेल तीन कैटेगरी में बंटेंगे

ई-स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा

देश में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर लंबे समय से चल रही बहस अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। केंद्र सरकार जल्द ही ऑनलाइन खेलों से जुड़े नए नियम अधिसूचित करने की तैयारी में है, जो इस क्षेत्र को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। ये नियम ऑनलाइन खेल प्रोत्साहन और विनियमन कानून 2025 के तहत लाए जा रहे हैं, जिसे अक्टूबर 2025 में पारित किया गया था। सरकार की योजना के अनुसार, इस नए ढांचे के तहत एक स्वतंत्र नियामक संस्था ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (OGAI) को सक्रिय किया जाएगा। यह संस्था ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स की निगरानी करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सभी कंपनियां तय नियमों का पालन करें। शिक्षा और युवाओं के दृष्टिकोण से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताया जाने वाला समय लगातार बढ़ रहा है। नए नियमों के तहत ऑनलाइन खेलों को तीन प्रमुख श्रेणियों में बांटने का प्रस्ताव है—ई-स्पोर्ट्स, सामाजिक (सोशल) गेम्स और पैसे लगाकर खेले जाने वाले गेम्स। सरकार ई-स्पोर्ट्स और मनोरंजन आधारित खेलों को बढ़ावा देना चाहती है, क्योंकि ये कौशल, रणनीति और टीमवर्क को बढ़ाते हैं। वहीं, पैसे लगाकर खेले जाने वाले गेम्स पर सख्त रोक लगाने की तैयारी है, ताकि युवाओं को आर्थिक जोखिम और लत से बचाया जा सके। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम छात्रों और युवाओं के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करेगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन सट्टेबाजी और पैसे वाले गेम्स के कारण कई मामलों में आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और लत की समस्या सामने आई है। ऐसे में सरकार का यह प्रयास न केवल नियमन बल्कि जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है। इसके अलावा, बिना पैसे के खेले जाने वाले गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को कुछ हद तक राहत मिलने की संभावना है। ऐसे प्लेटफॉर्म्स को पंजीकरण प्रक्रिया से छूट दी जा सकती है, जिससे नवाचार और डिजिटल एंटरटेनमेंट को बढ़ावा मिलेगा। यह स्टार्टअप्स और छात्रों के लिए भी अवसर पैदा कर सकता है, जो गेम डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। नियमों के उल्लंघन पर कड़े प्रावधान भी प्रस्तावित किए गए हैं। यदि कोई कंपनी प्रतिबंधित श्रेणी के गेम्स को बढ़ावा देती या संचालित करती पाई जाती है, तो उसे तीन साल तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह सख्ती इस बात को दर्शाती है कि सरकार इस क्षेत्र में अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहती है। कुल मिलाकर, यह नया नियामक ढांचा ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को संतुलित तरीके से विकसित करने, जोखिमों को कम करने और युवाओं को एक सुरक्षित, जिम्मेदार और शिक्षाप्रद डिजिटल वातावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जीत के बीच बार्सिलोना को झटका, यामल हुए चोटिल

एफसी बार्सिलोना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेल्टा विगो को 1-0 से हराकर ला लीगा में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड पर 9 अंकों की बढ़त बना ली, जो खिताबी दौड़ में उनके लिए बड़ी बढ़त मानी जा रही है। हालांकि, यह जीत बार्सिलोना के लिए आसान नहीं रही। पहले हाफ में सेल्टा विगो ने काउंटर अटैक के जरिए कई मौके बनाए और बार्सिलोना के डिफेंस को लगातार चुनौती दी। मैच का निर्णायक पल तब आया जब युवा स्टार लामिन यामल ने शानदार मूव बनाते हुए डिफेंस को भेदा। इस दौरान टीम ने गोल करने में सफलता हासिल की, लेकिन यामल को इस प्रक्रिया में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। यह चोट बार्सिलोना के लिए चिंता का विषय बन गई है। मैच के दौरान एक और असामान्य घटना देखने को मिली, जब स्टैंड में मेडिकल इमरजेंसी के चलते खेल को करीब 15 मिनट तक रोकना पड़ा। दूसरे हाफ में फेरान टोरेस ने गोल किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण उसे रद्द कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर, डिएगो सिमियोने की एटलेटिको मैड्रिड को एल्चे के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह हार टीम के लिए झटका है, खासकर कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद। एल्चे के लिए आंद्रे सिल्वा ने अहम पेनल्टी गोल किया, जबकि डेविड एफेंग्रुबर ने भी गोल दागा। एटलेटिको के लिए निको गोंजालेज ने दो गोल किए, लेकिन टीम के खिलाड़ी थियागो अल्माडा को रेड कार्ड मिलने के बाद मैच का रुख बदल गया। इस जीत के साथ एल्चे ने रेलीगेशन जोन से बाहर निकलने में सफलता हासिल की, जबकि एटलेटिको की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ी राहत,

मिचेल स्टार्क को मिली भारत आने की मंजूरी

ऑरेंज कैप रेस में बड़ा उलटफेर, वैभव ने कोहली को पछाड़ा

आईपीएल 2026 के 32वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स को 40 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ राजस्थान ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि लखनऊ की टीम 160 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर सकी और सीजन की चौथी हार झेलनी पड़ी। इस मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन के दम पर विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। वैभव अब इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ खेले गए इस मैच में वैभव का बल्ला ज्यादा नहीं चला। उन्होंने 11 गेंदों पर 8 रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे। इसके बावजूद उनके कुल प्रदर्शन ने उन्हें ऑरेंज कैप की रेस में आगे बनाए रखा है। अब तक खेले गए 7 मैचों में वैभव 36.28 के औसत से 254 रन बना चुके हैं। दूसरी ओर, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अब पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने 6 मैचों में 267 रन बनाए हैं। वहीं टीम के कप्तान रजत पाटीदार 6 मैचों में 230 रन बनाकर आठवें स्थान पर हैं। राजस्थान के ही एक और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी शानदार छलांग लगाई है। वह अब छठे स्थान पर पहुंच गए हैं और 7 मैचों में 245 रन बना चुके हैं। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने 12 गेंदों पर 22 रन की तेज पारी खेली। फिलहाल ऑरेंज कैप अभिषेक शर्मा के पास है, जिन्होंने 7 मैचों में 323 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन बने हुए हैं। टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ यह रेस और रोमांचक होती जा रही है।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खेल को मिला ओलंपिक मंच

क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने के बाद दुनियाभर के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मंजूरी के बाद अब लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। संजोग गुप्ता ने बताया कि यह मुकाबले लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के होम ग्राउंड पर आयोजित किए जाएंगे, जिसका शिलान्यास 23 अप्रैल को किया जाएगा। गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक स्टेडियम का निर्माण नहीं, बल्कि एक लंबे इंतजार के बाद पूरा होने वाला सपना है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी एक ऐसा वादा है, जिसे पूरा होने में करीब 128 साल लग गए। यह कदम इस खेल की वैश्विक लोकप्रियता को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेट दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन इतने वर्षों तक ओलंपिक मंच से दूर रहा।

अब जब इसे फिर से शामिल किया गया है, तो यह केवल एक खेल की वापसी नहीं, बल्कि उन अरबों प्रशंसकों की भावना का सम्मान है जो इसे पसंद करते हैं। पोमोना स्थित प्रस्तावित क्रिकेट स्थल को लेकर भी गुप्ता ने खास बात कही। उनके अनुसार, पोमोना का खेल इतिहास और यहां का सामुदायिक जुड़ाव इसे क्रिकेट के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मैदान भविष्य में क्रिकेट के लिए एक बड़ा केंद्र साबित होगा।

फिटनेस vs परफॉर्मेंस—बुमराह को लेकर बड़ा गेम प्लान

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी गेंदबाजी नहीं बल्कि उनका वर्कलोड मैनेजमेंट है। बीते कुछ समय से देखा गया है कि बुमराह सफेद गेंद क्रिकेट में नियमित रूप से खेलते हैं, जबकि टेस्ट मैचों में उन्हें सीमित रखा जाता है। इसका मुख्य कारण उनका अनोखा गेंदबाजी एक्शन है, जिससे उनके शरीर पर अधिक दबाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अब उनके लिए एक खास रणनीति तैयार की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई ने बुमराह को लेकर लंबी योजना बनाई है, जिसमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 2027 वनडे वर्ल्ड कप दोनों पर फोकस किया गया है। बोर्ड चाहता है कि बुमराह मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल के सभी टेस्ट मैच खेलें। इस दौरान भारत को कुल 9 टेस्ट मैच खेलने हैं, जो टीम के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने लगभग सभी प्रमुख आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं, लेकिन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अब तक हासिल नहीं कर सकी है। यही वजह है कि टीम मैनेजमेंट बुमराह को "ब्रह्मास्त्र" मानते हुए हर अहम टेस्ट में उतारने की योजना बना रहा है। इसके लिए उन्हें कुछ वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है, ताकि उनका वर्कलोड संतुलित रहे और वह पूरी तरह फिट रह सकें। आईपीएल 2026 के बाद भारतीय टीम 6 जून से चंडीगढ़ में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगी, हालांकि यह मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा नहीं होगा। इसके बाद भारत को श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-2 टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं, अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। फिलहाल भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में छठे स्थान पर है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में बीसीसीआई का यह प्लान टीम को मजबूती देने और खिताब की दौड़ में बनाए रखने के लिए अहम साबित हो सकता है।

रशियन इंफ्लुएंसर ने पुतिन को घेरा, कहा- हम स्वतंत्र देश में नहीं रह रहे

ग्लैमर की दुनिया से उठी बगावत

इन दिनों एक रशियन इंफ्लुएंसर चर्चा में है. क्योंकि, उन्होंने सोशल मीडिया पर सीधे तौर पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खरी-खरी सुनाई और उनकी नीतियों का विरोध किया.

व्लादिमीर पुतिन की नीतियों पर रशियन इंफ्लुएंसर ने गुस्सा उतारा.

आज के समय में सोशल मीडिया आम लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा बड़े क्षेत्र तक अपनी बात पहुंचाने का महत्वपूर्ण जरिया बन गया है. अब इस वर्चुअल दुनिया में लोग सरकार या किसी भी बड़ी संस्था या शख्सियत के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सकते हैं. कुछ ऐसे ही मामले को लेकर इन दिनों एक रूसी इंफ्लुएंसर काफी चर्चा में हैं. उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों को लेकर सोशल मीडिया पर खुलेआम अपना गुस्सा जाहिर किया है. सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस की एक हाई-प्रोफाइल लाइफस्टाइल इन्फ्लुएंसर्स ने पुतिन की नीतियों पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में काफी कुछ कहा है. इस ब्यूटी इंफ्लुएंसर का नाम विक्टोरिया बोन्या है. बोन्या अपने मेकअप टिप्स और लाइफस्टाइल कंटेंट के लिए जानी जाती हैं. रूसी ब्यूटी इन्फ्लुएंसर विक्टोरिया बोन्या ने राष्ट्रपति पुतिन को संबोधित करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा है कि लोग आपसे डरते हैं. यह उनके शुरुआती शब्द थे. उन्होंने आगे कहा कि लोग आपसे डरते हैं, ब्लॉगर आपसे डरते हैं, कलाकार आपसे डरते हैं, गवर्नर आपसे डरते हैं और आप हमारे देश के राष्ट्रपति हैं. उन्होंने पुतिन को सीधे संबोधित करते हुए ये बातें कहीं. ⊙

वीडियो पर 26 मिलियन व्यूज मिले

बोन्या, जो अब मोनाको में रहती हैं और उनका अपना कॉस्मेटिक्स ब्रांड है. शुक्रवार दोपहर तक बोन्या के इंस्टाग्राम वीडियो पर 26 मिलियन व्यूज और 75,000 से अधिक कमेंट्स मिले थे, जिनमें से कई उनकी बहादुरी की सराहना कर रहे थे. इसी कड़ी में एक और लोकप्रिय रूसी लाइफस्टाइल और ब्यूटी इन्फ्लुएंसर, आइजा, जो विदेश में रहती हैं. ⊙

74 की उम्र में दादी ने भरी उड़ान, पैराग्लाइडिंग गाइड भी हैरान

जब ज्यादातर लोग 70 की उम्र के बाद आराम को प्राथमिकता देते हैं, वहीं एक 73 साल की महिला ने अपने हौसले से सबको चौंका दिया. बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश में उन्होंने बिना किसी झिझक के पैराग्लाइडिंग की, और अब उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. यह वीडियो पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर अरुण सिंह ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया. शुरुआत में वह महिला से उनकी उम्र पूछते हैं, जिस पर वह पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब देती हैं. ⊙

1.2 करोड़ के इंश्योरेंस फ्रॉड का फिल्मी अंत

इंसान बना भालू और रोल्स-रॉयस पर किया हमला

सुनने में यह किसी फिल्म की कहानी लगती है, लेकिन यह पूरी तरह हकीकत है. लग्जरी कार रोल्स-रॉयस घोस्ट और दो मर्सिडीज गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने के लिए 'भालू' का सहारा लिया गया, लेकिन यह असली भालू नहीं, बल्कि इंसान था. पूरा मामला तब सामने आया जब कार मालिकों ने दावा किया कि एक जंगली भालू ने उनकी गाड़ियों में घुसकर सीटें फाड़ दीं और भारी नुकसान पहुंचाया. उन्होंने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर इंश्योरेंस कंपनियों को भेजा और क्लेम किया. पहली नजर में मामला असली लगा, लेकिन जांच में कहानी पलट गई.

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच एजेंसियों को शक हुआ और कैलिफोर्निया इंश्योरेंस डिपार्टमेंट ने इस केस को ऑपरेशन बेयर क्लॉ नाम दिया. जांच के दौरान CCTV फुटेज, वीडियो एनालिसिस और विशेषज्ञों की मदद से यह साबित हुआ कि कथित 'भालू' दरअसल एक इंसान था. ⊙

ग्रेजुएशन कैप पहनी बच्ची की मासूमियत ने किया भावुक

रानी बेटी के सिर पर जीत का ताज

कहते हैं जिंदगी की असली खुशियां बड़े मौकों में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे पलों में छिपी होती हैं. रिश्तों की गर्माहट, प्यार की सादगी और मासूमियत भरे लम्हे ही जीवन को खास बनाते हैं.

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जो एक पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को बेहद सरल तरीके से दिखाता है. वीडियो में एक साधारण सा दृश्य नजर आता है.एक पिता अपनी छोटी बेटी को स्कूल से साइकिल पर घर लेकर जा रहा है. बच्ची स्कूल यूनिफॉर्म में है, सिर पर ग्रेजुएशन कैप लगाए साइकिल के आगे बैठी है. पूरे रास्ते उसकी खुशी देखते ही बनती है. वह बार-बार कैमरे की तरफ मुड़ती है और गर्व से अपना मेडल दिखाते हुए कहती है कि मेडल भी है.

उसकी आंखों में चमक है, चेहरे पर मासूम गर्व साफ झलक रहा है. वहीं पिता चुपचाप मुस्कुराते नजर आते हैं. उनकी यह मुस्कान बताती है कि बेटी की यह छोटी-सी जीत उनके लिए कितनी बड़ी खुशी है. इस पूरे पल में न कोई दिखावा है, न कोई महंगी चीज—बस एक पुरानी साइकिल, थोड़ी मेहनत और ढेर सारा प्यार. यह छोटा सा लम्हा ही आज इंटरनेट पर लाखों लोगों का दिल जीत रहा है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया, जहां इसे लाखों बार देखा, लाइक और शेयर किया जा चुका है. सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो को देखकर भावुक हो रहे हैं और तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं.

किसी ने लिखा कि ये असली खुशी है, तो किसी ने कहा कि पैसे से नहीं, रिश्तों से खुशी मिलती है. कई लोगों ने अपने बचपन की यादें भी शेयर कीं, जब उनके माता-पिता छोटी-छोटी उपलब्धियों को भी बड़े जश्न में बदल देते थे. यह वीडियो सिर्फ एक प्यारा सा पल नहीं है, बल्कि आज के समय के लिए एक जरूरी संदेश भी देता है. ⊙

अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी ने मचाया धमाल, 'भूत बंगला' बॉक्स ऑफिस पर छाई

बॉलीवुड में एक बार फिर पुरानी हिट जोड़ी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी 14 साल बाद फिल्म भूत बंगला के साथ बड़े पर्दे पर लौटी है, और इसका असर बॉक्स ऑफिस पर साफ दिखाई दे रहा है।17 अप्रैल को रिलीज हुई इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने पहले हफ्ते में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। हालांकि, फिल्म के छठे दिन की कमाई में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसके बावजूद 'भूत बंगला' की कुल कमाई मजबूत बनी हुई है। फिल्म ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को करीब 6.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इससे एक दिन पहले फिल्म ने लगभग 8 करोड़ रुपये कमाए थे, ऐसे में यह गिरावट मिड-वीक ट्रेंड के अनुसार सामान्य मानी जा रही है। फिल्म की ऑक्यूपेंसी की बात करें तो औसतन 13% दर्शकों की उपस्थिति दर्ज की गई। रात के शो में सबसे ज्यादा 17.46% ऑक्यूपेंसी रही, जबकि शाम के शो में 14.15% और दोपहर के शो में 13.85% ऑक्यूपेंसी देखने को मिली। सुबह के शो में यह आंकड़ा 7.77% रहा। यह दर्शाता है कि फिल्म को अब भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर शाम और रात के समय।अगर दिन-वार कलेक्शन पर नजर डालें तो फिल्म ने प्रीव्यू (दिन 0) में 3.75 करोड़ रुपये से शुरुआत की थी। इसके बाद पहले दिन 12.25 करोड़, दूसरे दिन 19 करोड़ और तीसरे दिन 23 करोड़ रुपये का शानदार उछाल देखने को मिला। चौथे दिन कलेक्शन 6.75 करोड़ और पांचवें दिन 8 करोड़ रुपये रहा। छठे दिन के 6.15 करोड़ जोड़कर फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 78.90 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। सिर्फ घरेलू ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी फिल्म का प्रदर्शन मजबूत रहा है। 'भूत बंगला' ने दुनियाभर में अब तक 127.37 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है, जिसमें से 33.50 करोड़ रुपये विदेशी बाजार से आए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि फिल्म को ग्लोबल ऑडियंस का भी अच्छा सपोर्ट मिल रहा है।फिल्म की स्टार कास्ट भी इसकी सफलता में बड़ा योगदान दे रही है। परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू, मिथिला पालकर, वामिका गब्बी और मनोज जोशी जैसे कलाकारों ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है, जिसने कहानी को और भी रोचक बना दिया है। गौरतलब है कि 'भूत बंगला' का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रियदर्शन की खास कॉमिक टाइमिंग और अक्षय कुमार की जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस ने इस फिल्म को एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट पैकेज बना दिया है। कुल मिलाकर, 'भूत बंगला' बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। अब सबकी नजरें आने वाले वीकेंड पर हैं, जहां फिल्म के कलेक्शन में फिर से उछाल देखने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर यही रफ्तार जारी रही, तो यह फिल्म जल्द ही 150 करोड़ क्लब में भी एंट्री कर सकती है।

मेयर आवास पर विवाद के बाद नगर निगम सदन में गरमाई सियासत

लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के आवास पर नेमप्लेट से अभद्रता की घटना के बाद सियासी विवाद गहरा गया है।मेयर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं के व्यवहार पर सवाल उठाए।नगर निगम सदन में निंदा प्रस्ताव को लेकर हंगामा हुआ, जहां सपा और कांग्रेस पार्षदों ने इसे स्थानीय मुद्दों से भटकाने वाला बताया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में मेयर के नेमप्लेट पर जूते मारने की घटना के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल ने अखिलेश यादव से सवाल पूछा है। मेयर ने कहा कि जिस पार्टी के लोगों ने मेरे आवास पर तोड़फोड़ की और जूते-चप्पल मारे, उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष की मैं बड़ी बहन हूं। मैं अपने भाई अखिलेश यादव से पूछना चाहती हूं- क्या पार्टी के लोगों द्वारा आपकी बहन को जूता मारना सही है? दूसरी बात मैं लखनऊ की प्रथम नागरिक हूं। 10.50 लाख वोटों में से 5.25 मुझे मिले। इस तरह से क्या आपने लखनऊ का सम्मान किया है? ये जूता आपने किसको मारा। ये सवाल मेयर ने लखनऊ नगर निगम सदन में निंदा प्रस्ताव के दौरान किए। इस दौरान सदन में भाजपा पार्षद रामनरेश रावत ने कहा कि जिन लोगों ने महापौर के कार्यालय पर पहुंचकर अभद्रता और बदतमीजी की, उनको मैं जूते की माला पहनाऊंगा। जूतों से मारूंगा। बता दें कि गुरुवार को मेयर सुषमा खर्कवाल ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित बिल गिरने पर निंदा प्रस्ताव के लिए सदन बुलाया था। लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के आवास पर बुधवार (22 अप्रैल) को सुबह साथियों के साथ पहुंचे सपा नेता गौरव चौधरी ने उनके नेमप्लेट को जूते-चप्पलों से पीटा। उस पर कालिख पोती। सुरक्षा के लिए लगे बैरियरों को झकझोर कर सुषमा खर्कवाल मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो पर गौरव चौधरी, विधानसभा 43 सिवालखास, मेरठ लिखा है। इस मामले पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि सपा का यह चरित्र है। वह अपनी मां और बहन का अपमान करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे हमेशा विदेश में रहते हैं। इससे पहले सदन शुरू होते ही सपा और कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा कर दिया। यह देखते ही मेयर ने पुलिस बुला ली। मौके पर हजरतगंज कोतवाली से पुलिस बल पहुंच गया है। दरअसल, मेयर सुषमा खर्कवाल ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित बिल गिरने पर निंदा प्रस्ताव के लिए सदन बुलाया था। इसमें सभी पार्षदों से निंदा प्रस्ताव पास कराना था। मेयर के इस सदन बुलावे का विरोध होने की पहले से ही सुगबुगाहट थी। सुबह 11 बजे जैसे ही सदन शुरू हुआ कि सपा और कांग्रेस के पार्षदों ने यह कहते हुए हंगामा शुरू कर दिया कि महिला आरक्षण से संबंधी मुद्दा लखनऊ नगर निगम का नहीं है। निगम का मुद्दा शहर में साफ-सफाई और दूसरे विकास कार्य हैं। इन पर मेयर का ध्यान नहीं जाता और लोकसभा के मुद्दे पर निंदा प्रस्ताव बुला रही हैं। कांग्रेस पार्षद मुकेश चौहान ने मेयर को लेटर लिखा है। इसके जरिये उन्होंने कहा है कि आपको कांग्रेस का आभारी होना चाहिए जिसकी वजह से आज सदन में कई महिला पार्षद कार्यरत हैं। भाजपा पार्षद रामनरेश रावत ने कहा कि 2029 के लोकसभा में आरके चौधरी चुनाव हारेंगे। उनको एक भी महिला वोट नहीं देगी। क्योंकि उन्होंने महिलाओं के अधिकार को छीनने का साहस किया है।

व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की किल्लत सिलिंडर नहीं मिल पा रहे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

औद्योगिक क्षेत्रों में व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की किल्लत फिर हो गई है। पिछले 10-12 दिनों से उद्यमियों को गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने के बावजूद सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इसके चलते सरोजनीनगर, तालकटोरा और अमौसी जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की 20 से अधिक फैक्टरियों में उत्पादन ठप हो गया है, जिससे प्रतिदिन 2 से 3 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआइए) के लखनऊ चैप्टर अध्यक्ष विकास खन्ना ने बताया कि मांग के बावजूद एजेंसियां आपूर्ति नहीं कर पा रही हैं। सबसे बुरा असर उन इकाइयों पर पड़ा है, जो पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर हैं। काम बंद होने के बाद भी उद्यमी इस डर से श्रमिकों को वेतन देने पर मजबूर हैं कि कहीं वे काम छोड़कर न चले जाएं। तेल कंपनियों का कहना है कि पिछले साल अप्रैल में 24 हजार व्यावसायिक सिलिंडर दिए गए थे, वहीं इस बार केवल 68% कोटा निर्धारित किया गया है। इसके तहत अब तक मात्र 13 हजार सिलिंडर ही जारी किए गए हैं।
अमौसी के गत्ता फैक्टरी संचालक सतपाल सिंह का कहना है कि 10 दिनों से एजेंसी केवल स्टॉक न होने का हवाला दे रही है। पुराने ऑर्डर भी पेंडिंग हैं। फैक्टरी बंद है और हम बुकिंग तक नहीं कर पा रहे हैं। नादरगंज के गत्ता फैक्टरी संचालक देवेश अग्रवाल का कहना है कि बिजली प्लांट लगाना बहुत महंगा और समय लेने वाला विकल्प है। उत्पादन शून्य है, लेकिन खर्चे और टैक्स में कोई राहत नहीं है। ऊपर से कम बिक्री पर भी जीएसटी ऑडिट की प्रक्रिया झेलनी पड़ रही है। सरकार को विशेष व्यवस्था करनी चाहिए।

बसपा प्रमुख मायावती ने धरना-प्रदर्शन से दूर रहने और

चुनाव तैयारी में जुटने का निर्देश दिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गोरिल्ला तरबूज खा रहा है तो, भालू खीरा...। लखनऊ चिड़ियाघर में जानवरों को 42 डिग्री टेंपरेचर में राहत देने के लिए बर्फ की सिल्लियां लगाई गई हैं। लखनऊ में पड़ रही भीषण गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं, बल्कि बेजुबानों पर भी साफ दिख रहा है। ऐसे में नवाब वाजिद अली शाह चिड़ियाघर में प्रशासन ने जानवरों के लिए खास इंतजाम किए हैं। जानवरों को राहत देने के लिए साफ पानी और कूलर की व्यवस्था की गई है। खाने के लिए फल, और ताजी सब्जियों को उनके डाइट में शामिल किया गया है। पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था की गई है। खास तौर पर चिड़ियाघर में कुल 48 स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, जो फव्वारे की तरह पानी का छिड़काव कर बाड़ों को ठंडा रखते हैं और जानवरों को राहत पहुंचाते हैं। चिड़ियाघर में बने तालाबों की मरम्मत कर उनमें ठंडा पानी भरा गया है, ताकि जानवर उसमें स्नान कर सकें। पक्षियों के लिए विशेष रूप से हरे पर्दे लगाए गए हैं, जिससे उन्हें तेज धूप और गर्मी से बचाया जा सके। इसके अलावा, पक्षियों के कवर्ड बाड़ों में छप्पर और नरकुल बिछाए गए हैं, जिससे अंदर का तापमान कंट्रोल रहे। बड़े जानवरों के लिए हर जगह पर्याप्त पानी की व्यवस्था की गई है। वहीं, टाइगर और लायन जैसे जानवरों के लिए कूलर लगाए गए हैं। गर्मी को देखते हुए जानवरों के खान-पान में भी बदलाव किया गया है। चिड़ियाघर में तीन डॉक्टरों की टीम सहित पूरी वेटरिनरी टीम लगातार जानवरों की सेहत पर नजर बनाए हुए है। उनकी देखरेख में शाकाहारी जानवरों के भोजन में अधिक पानी वाले फलों को शामिल किया गया है, जैसे मौसंबी, खीरा और ककड़ी। पहले जहां सेब जैसे फल दिए जाते थे, अब उनकी जगह ज्यादा पानी वाले फल दिए जा रहे हैं।जहां एक ओर जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए इंतजाम किए गए हैं, वहीं घूमने आने वाले दर्शकों की सुविधाओं का भी ख्याल रखा गया है। यहां आने वाले लोगों के लिए पीने के साफ पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, ताकि भीषण गर्मी के बीच उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रदेश के राहत आयुक्त को भी मामले में जांच करने का निर्देश

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

हाईकोर्ट ने विकास नगर में 15 अप्रैल को हुए अग्निकांड मामले में लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अतिक्रमण होने के मुद्दे पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को जांच करने का आदेश दिया है। उन्हें अपना रुख भी बताना होगा। कोर्ट ने प्रदेश के राहत आयुक्त को भी मामले में जांच करने का निर्देश दिया है। साथ ही पक्षकार अफसरों को घटना का विवरण, कारण, राहत के उपायों के ब्योरे के साथ 13 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिलाधिकारी व नगर आयुक्त अपने अलग-अलग जवाबी हलफनामे दाखिल करेंगे। अदालत ने पूछा है कि अगर लोनिवि जमीन का स्वामी है तो कैसे इस जमीन पर वर्षों तक अतिक्रमण होता रहा। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कौन अफसर जिम्मेदार थे। कोर्ट ने - यह भी पूछा है कि ऐसे घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की सरकार के पास क्या कोई कार्यप्रणाली है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश अनुराग त्रिपाठी की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में अग्निकांड के पीड़ितों के पुनर्वास, उनकी चिकित्सा, राशन देने और अस्थायी निवास का इंतजाम करने की मांग की गई है। याची का कहना था कि वहां के लोगों का सबकुछ जल गया है, ऐसे में उन्हें जल्द सरकारी मदद मुहैया कराई जाए। अगली सुनवाई 13 मई को होगी।

पनकी व जवाहरपुर ताप विद्युत परियोजनाओं संचालन का कार्य निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राज्य विद्युत उत्पादन निगम की पनकी व जवाहरपुर ताप विद्युत परियोजनाओं के संचालन और अनुरक्षण का कार्य निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी है। इसके लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। मामले की जानकारी मिलते ही बिजली कर्मचारी संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। पनकी ताप विद्युत परियोजना (कानपुर) लगभग 100 इंजीनियर, 75 जूनियर इंजीनियर, 75 टेक्नीशियन ग्रेड-2, 245 अन्य नियमित कर्मचारी तथा 500 से अधिक संविदाकर्मी कार्यरत हैं। इसी प्रकार जवाहरपुर परियोजना (एटा) में करीब 150 इंजीनियर, 90 जूनियर इंजीनियर, 100 टेक्नीशियन ग्रेड-2, 135 अन्य कर्मचारी और 500 से अधिक संविदाकर्मी कार्य कर रहे हैं। फिलहाल इन परियोजनाओं का संचालन और रखरखाव का कार्य राज्य विद्युत उत्पादन निगम करता रहा है। 13 अप्रैल को निगम के अधीक्षण अभियंता रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने परियोजना के मुख्य प्रबंधक को पत्र भेजा है। कहा गया है कि दोनों परियोजनाओं का रखरखाव और संचालन के लिए यूनिफाइड टेंडर प्रस्ताव मुख्यालय भेजा जाए। इसकी जानकारी मिलते ही बिजली कर्मचारी संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है।

उत्तर जोन कृषि सम्मेलन में 9 राज्यों के मंत्री जुटेंगे किसानों की आय बढ़ाने पर होगा मंथन

उत्तर जोन खेती का प्राण है। कृषि क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने अनेक सकारात्मक कदम उठाए हैं। यूपी के इस कदम के कारण केंद्रीय किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में 24 अप्रैल (शुक्रवार) को सेंट्रम होटल में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर जोन) होगा। इसमें 9 राज्यों (उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब व दिल्ली) के कृषि मंत्री, उद्यान मंत्री, प्रमुख सचिव, निदेशक, एफपीओ, प्रगतिशील किसान, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, भारत सरकार के अधिकारी आदि रहेंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी व रामनाथ ठाकुर भी सम्मिलित होंगे। यह जानकारी कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दी। शाही ने गुरुवार को लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत में आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की प्रगति, राज्यों के किसानों, केंद्र के स्टार्टअप, एफपीओ, नाबार्ड, बैंकों, मिल मालिकों, प्रसंस्करण इकाइयों, बागवानी की संभावनाओं, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की प्रगति, बीज एजेंसियों, खरीद एजेंसियों, सिंचाई कंपनियों, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन आदि पर चर्चा व समीक्षा भी होगी। कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों के कल्याण व आमदनी को लेकर विभिन्न राज्यों ने बेहतर कार्य किया है। वे अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण देकर अन्य राज्यों को भी अवगत कराएंगे। उत्तर प्रदेश के अंदर गन्ने के साथ इंटरक्रॉपिंग शुरू कराई गई है। इसके साथ ही धान की सीधी बोआई (डीएसआर) विधि को लेकर भी प्रस्तुतिकरण होगा। भारत सरकार ने सर्वोत्तम पद्धति मानते हुए इसे किसानों के हित का भी बताया है। वहीं पंजाब सरकार ने धान के फसल विविधीकरण की पद्धति, हिमाचल व उत्तराखंड ने बागवानी के क्षेत्र में विशेष पद्धति अपनाई है। इसके साथ ही कृषि के क्षेत्र में अन्य राज्यों के विभिन्न सकारात्मक कार्यों की भी जानकारी आदान-प्रदान होगी। सम्मेलन में उत्तर जोन के लिए आगे क्या पॉलिसी बनाई जाए और इसके जरिए किसानों को कैसे सामर्थ्यवान व आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा सके, इस पर भी चर्चा होगी।

उन्नाव में यूपी बोर्ड रिजल्ट 2026 घोषित

हाईस्कूल में आस्था पटेल और इंटर में राघवेंद्र बने जिला टॉपर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें जिले के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। हाईस्कूल (कक्षा 10) में आस्था पटेल ने 97.33% अंक हासिल कर जिला टॉप किया है, जबकि इंटरमीडिएट (कक्षा 12) में राघवेंद्र ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।जिले में इस वर्ष कुल 70,408 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 70,352 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। कक्षा 10 में कुल 39,082 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जिनमें 19,899 छात्र और 19,180 छात्राएं शामिल रहीं। विशेष बात यह रही कि इस बार तीन ट्रांसजेंडर परीक्षार्थियों ने भी हाईस्कूल परीक्षा दी, जो समावेशी शिक्षा की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। वहीं इंटरमीडिएट में 31,270 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जिनमें 15,700 छात्र और 15,570 छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए।परीक्षा प्रक्रिया 18 फरवरी 2026 से शुरू होकर 22 मार्च 2026 तक चली, जिसके लिए जिले में कुल 122 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस दौरान परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन द्वारा कड़ी निगरानी, सीसीटीवी कैमरों और डिजिटल मॉनिटरिंग का सहारा लिया गया। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से 1 अप्रैल 2026 के बीच पूरा किया गया, जिसके बाद समयबद्ध तरीके से परिणाम घोषित किए गए।पिछले वर्षों की तरह इस बार भी जिले का शैक्षणिक प्रदर्शन स्थिर बना हुआ है। वर्ष 2025 में हाईस्कूल का पास प्रतिशत 90.11% और इंटरमीडिएट का 81.15% रहा था। इस वर्ष भी लगभग इसी स्तर का प्रदर्शन देखने को मिला, जो जिले में शिक्षा व्यवस्था की निरंतरता और गुणवत्ता को दर्शाता है।भगवती सिंह ने जानकारी दी कि जो छात्र-छात्राएं दो विषयों में असफल हुए हैं, उन्हें कंपार्टमेंट परीक्षा के माध्यम से पास होने का एक और मौका दिया जाएगा। इससे उनका एक शैक्षणिक वर्ष खराब होने से बच सकेगा। इसके साथ ही, जो विद्यार्थी अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे स्क्रूटनी के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। स्क्रूटनी और कंपार्टमेंट परीक्षा के बाद प्राप्त अंक ही अंतिम माने जाएंगे।छात्र अपने परिणाम डिजिलॉकर पर भी देख सकते हैं, जबकि मूल अंकपत्र बाद में संबंधित स्कूलों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। इस वर्ष भी छात्राओं की भागीदारी और प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है, जो जिले में शिक्षा के बदलते और सशक्त होते परिदृश्य को दर्शाता है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में होमगार्ड भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क है। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जनता शिक्षा निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रऊकरना परीक्षा केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (राजस्व) सुशील कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेन्द्रलाल और क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा, सीसीटीवी व्यवस्था, प्रवेश-निकास, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और परीक्षार्थियों को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। डीएम ने जोर दिया कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने पुलिस अधिकारियों को सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसमें कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा नदी पर प्रस्तावित नए पुल के निर्माण को लेकर विवाद

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा नदी पर प्रस्तावित नए पुल के निर्माण को लेकर विवाद तेज हो गया है। यह पुल उन्नाव को कानपुर से जोड़ेगा, लेकिन परियोजना के एलाइनमेंट को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। पश्चिमी गंगाघाट स्थित मिश्रा कॉलोनी (वार्ड नंबर 13) के निवासी मंगलवार को प्रशासनिक टीम के निरीक्षण के दौरान विरोध पर उतर आए। निरीक्षण के लिए नायब तहसीलदार, लेखपाल, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हरदयाल अहिरवार और सेतु निर्माण निगम के जेई कुंदन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित पुल के एलाइनमेंट में कुल 47 मकान प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें हटाया जाएगा। इस दौरान निवासियों से आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खातों की जानकारी भी मांगी गई। स्थानीय लोगों ने कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए आरोप लगाया कि पुल का निर्माण तिरछे एलाइनमेंट में किया जा रहा है, जिससे अनावश्यक रूप से अधिक मकान प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि एलाइनमेंट सीधा रखा जाए तो केवल 17 मकान ही प्रभावित होंगे। लोगों ने प्रशासन से योजना में बदलाव की मांग की है।मुआवजे के मुद्दे पर भी लोगों में असंतोष है। निवासियों का आरोप है कि उन्हें पुराने रजिस्ट्री वर्ष के आधार पर मुआवजा देने की बात कही जा रही है, जो वर्तमान बाजार दर से काफी कम है। साथ ही, अभी तक किसी भी परिवार को मकान खाली करने का आधिकारिक नोटिस नहीं दिया गया है, जिससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि उन्हें वर्तमान सर्किल रेट या बाजार मूल्य के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाए और विस्थापन की स्थिति में वैकल्पिक प्लॉट भी उपलब्ध कराया जाए। बैठक के दौरान कई निवासियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

42 वर्षों से झोपड़ीनुमा कच्ची कोठरी में संचालित हो रहा पतसिया स्थित होम्योपैथिक चिकित्सालय

गंजमुरादाबाद। ब्लॉक क्षेत्र के भिखारीपुर पतसिया स्थित होम्योपैथी चिकित्सालय 42 वर्षों से झोपड़ीनुमा कच्ची कोठरी में संचालित हो रहा है। तीन वर्षों से यहां चिकित्सक की तैनाती न होने से यह अस्पताल फार्मासिस्ट के सहारे चल रहा है। नतीजतन दूर-दराज क्षेत्र से आने वाले मरीजों की संख्या भी घटती जा रही है। ब्लॉक क्षेत्र के मरीजों को होम्योपैथी से इलाज मुहैया कराने के लिए 1984 में भिखारीपुर पतसिया में होम्योपैथिक चिकित्सालय स्थापित किया गया था। कच्ची कोठरी में संचालित इस अस्पताल को अब तक पक्का भवन मयस्सर नहीं हो सका। भवन के लिए एक दशक में तीन बार प्रस्ताव शासन को भेजे गए लेकिन निरस्त हो गए। पूर्व में यहां तैनात रहीं चिकित्सक डॉ शगुफ्ता जबीं को पदोन्नति देते हुए कौशांबी का जिला होम्योपैथी चिकित्साधिकारी बना दिया गया था। इसके बाद से यहां किसी चिकित्सक की भी तैनाती नहीं हुई। यहां से संबद्ध की गईं मदारनगर होम्योपैथिक चिकित्सालय की डॉ. निहारिका गुप्ता सप्ताह में एक दिन बृहस्पतिवार को आती हैं। ऐसी स्थिति में यह चिकित्सालय सिर्फ फार्मासिस्ट योगेंद्र कुमार के सहारे चल रहा है। जर्जर कोठरी के किसी भी समय गिरने का बना रहता अंदेशा भिखारीपुर पतसिया में जिस कोठरी में होम्योपैथी चिकित्सालय संचालित है वह काफी कमजोर हो चुकी है। बरसात में इसकी छत टपकती है। इससे किसी भी समय इसके गिरने का अंदेशा बना है। बारिश के दिनों में स्टाफ बाहर रखे छप्पर के नीचे बैठकर इलाज किया जाता है। जिम्मेदार बोले-जल्द करेंगे निरीक्षण जल्द ही वह होम्योपैथी चिकित्सालय का निरीक्षण करेंगे। साथ ही भवन और चिकित्सक की स्थायी तैनाती जैसी समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे

हफ्तेभर में डायरिया और डिहाइड्रेशन के 48 मरीज भर्ती

लगातार बढ़ रहा तापमान बुधवार को 40 डिग्री के पार हो गया। लोग डायरिया और डिहाइड्रेशन की चपेट में आ रहे हैं। एक सप्ताह में 48 ऐसे मरीज गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए। सीएचसी और पीएचसी का भी यही हाल है। वहीं दूसरी तरफ अस्पतालों में हीट वेव वार्ड और ओआरएस कॉर्नर नहीं बनाए जा सके हैं। जिला अस्पताल के बालरोग विशेषज्ञ डॉ. अमित श्रीवास्तव ने बताया कि बुखार से पीड़ित रोजाना 25 से 30 बच्चे रोजाना ओपीडी में आ रहे हैं। वहीं, डॉ. कौशलेंद्र चंद्र ने बताया कि प्रतिदिन 20 से 25 वयस्क भी बुखार का इलाज कराने आ रहे हैं। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि हीट वेव से प्रभावित मरीजों के लिए कार्डियोलॉजी छह बेड का एक वार्ड जल्द ही बनाया जाएगा। यह वार्ड तीन से चार दिन में शुरू हो जाएगा। डायरिया और डिहाइड्रेशन के बढ़ते मामलों को देखते हुए दवा वितरण कक्ष, ओपीडी गैलरी और इमरजेंसी वार्ड में ओआरएस कॉर्नर भी बनाए जाएंगे। मरीज के साथ ही उनके साथ आए तीमारदार भी इनका उपयोग कर सकेंगे।

UP Board Result 2026

हाईस्कूल-इंटर में छात्राओं का दबदबा

यूपी बोर्ड के नतीजे हर साल लाखों छात्रों के भविष्य की दिशा तय करते हैं।इस बार भी उच्च अंक और स्थिर पास प्रतिशत ने शिक्षा स्तर की निरंतरता दिखाई है।खासतौर पर छात्राओं का बेहतर प्रदर्शन राज्य में बदलते शैक्षणिक रुझान को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परिणाम के साथ-साथ कक्षा 10 के टॉपरों की सूची जारी कर दी है। इस वर्ष, शीर्ष रैंक असाधारण रूप से उच्च प्रतिशत अंकों के साथ हासिल की गई हैं, जो सभी जिलों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाती हैं।

शीर्ष रैंक धारक (कक्षा 10):

कशिश वर्मा – 97.83%

अंशिका वर्मा – 97.83%

द्वितीय रैंक:

अदिति – 97.50%

तृतीय रैंक (संयुक्त):

अर्पिता – 97.33%

ऋषभ साहू – 97.33%

परी वर्मा – 97.33% इंटरमीडिएट के नतीजों में भी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया, शीर्ष स्तर पर छात्रों ने 97% से अधिक अंक प्राप्त किए। शीर्ष रैंक धारक (कक्षा 12):

शिखा वर्मा – 97.60%

द्वितीय रैंक (संयुक्त):

नंदनी गुप्ता – 97.20%

श्रिया वर्मा – 97.20%

तृतीय रैंक (संयुक्त):

सुरभि यादव – 97.00%

पूजा पाल – 97.00% यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के नतीजों में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है, चाहे वह पास प्रतिशत हो या शीर्ष अंक प्राप्त करने वालों में प्रतिनिधित्व। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के आंकड़ों से पता चलता है कि छात्राएँ न केवल मेरिट सूची में प्रमुखता से शामिल हैं, बल्कि सभी जिलों में भी उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा यह रुझान लड़कियों के समग्र शैक्षणिक परिणामों की उच्चतरता को दर्शाता है, जो कुल परिणामों और शीर्ष रैंकों दोनों में परिलक्षित होता है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने यूपी बोर्ड कक्षा 10 के 2026 के परिणामों में लगभग 90.42 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिर प्रदर्शन दर्शाता है। यह आंकड़ा हाल के रुझानों के अनुरूप है, जहां हाई स्कूल उत्तीर्ण प्रतिशत लगातार 90 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है, जो राज्य भर में स्थिर शैक्षणिक परिणामों को दर्शाता है। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को भी स्वीकार किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियां समर्पण और लगन को दर्शाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करते रहने और आत्मविश्वास के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

बारिश को लेकर ताजा अपडेट, हीट वेव की चेतावनी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में भीषण गर्मी और हीट वेव का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक बना रहेगा, जिससे लोगों को तेज गर्मी और लू का सामना करना पड़ेगा। विभाग ने स्थिति को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 23 अप्रैल को अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 24 और 25 अप्रैल को तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। इन दोनों दिनों में दोपहर और शाम के समय हीट वेव का प्रभाव सबसे ज्यादा रहेगा। इसके बाद 26 अप्रैल से मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है, जहां आंशिक बादल छाने की संभावना है। 27 और 28 अप्रैल को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों के बाद हल्की बारिश की संभावना बन रही है, जिससे गर्मी में कुछ हद तक कमी आ सकती है। हालांकि तब तक लोगों को तेज धूप और गर्म हवाओं से बचकर रहना होगा। वहीं, बढ़ती गर्मी को देखते हुए प्रशासन और स्कूल प्रबंधन भी सतर्क हो गए हैं। स्कूलों में खेलकूद के समय में बदलाव किया गया है और बच्चों को दोपहर के समय मैदान में जाने पर रोक लगा दी गई है, ताकि हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सके। दूसरी ओर, NCR में वायु गुणवत्ता भी चिंताजनक बनी हुई है। दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) मध्यम से खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। आनंद विहार में एक्यूआई 303, बवाना में 251, चांदनी चौक में 202 और अशोक विहार में 229 दर्ज किया गया।

लखीमपुर खीरी के पढ़ुआ थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा

लखीमपुर खीरी के पढ़ुआ थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर मुंडन संस्कार कराने जा रहे ग्रामीणों की ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में पांच ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं और तीन किशोरियां शामिल हैं। दुर्घटना में 22 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें रमियाबेहड़ सीएचसी में भर्ती कराया गया है। यह हादसा ढखेरवा चौराहा से बहराइच के गिरिजापुरी बैराज जाने वाले मार्ग पर पढ़ुआ क्षेत्र में बोझिया फार्म के थोड़ा आगे हुआ। जानकारी के मुताबिक शारदा नगर थाने के सोहरिया गांव के लोग बहराइच जनपद के कारीकोट में बच्चे का मुंडन कराने जा रहे थे। ट्रैक्टर में दो ट्रॉलियां जुड़ी हुई थीं, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे सवार थे। गिरिजापुरी बैराज जाने वाले मार्ग पर अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। इसके बाद ट्रैक्टर और दोनों ट्रॉलियां पलट गईं, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पढ़ुआ थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने ट्रॉलियों के नीचे फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल रमियाबेहड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में जान गंवाने वालों में दो महिलाएं और तीन किशोरियां शामिल हैं। इन पांचों की मौत मौके पर ही हो गई। 22 घायलों को रमियाबेहड़ सीएचसी में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीणों की मदद से फंसे लोगों को निकाला गया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी रमियाबेहड़ सीएचसी पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और घटना के संबंध में जानकारी ली।

4 साल की भतीजी से बलात्कार और हत्या का आरोपी ढेर आरोपी के परिजनों ने शव लेने से इनकार

गाजियाबाद में चार साल की भतीजी से बलात्कार और उसकी हत्या करने के आरोपी 55 वर्षीय व्यक्ति की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद उसके परिवार ने शव लेने से इनकार कर दिया है। वहीं, स्थानीय निवासियों ने पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया है। पुलिस के अनुसार, जसीम नामक आरोपी शालीमार गार्डन क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में वांछित था। पीड़िता का शव एक खड़ी कार के नीचे मिला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी रविवार देर रात टीला मोड़ थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान मारा गया। वह गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में पुलिस पर गोलीबारी कर रहा था, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को दिल्ली रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज के जरिए ट्रैक किया गया था। सूचना मिली कि वह लोनी क्षेत्र में बंथला नहर के पास किसी से मिलने वाला है। इसके बाद पुलिस टीमों ने घेराबंदी की। रुकने के इशारे के बावजूद उसने भागने और गोली चलाने की कोशिश की, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। इस दौरान दो पुलिसकर्मी, हेड कांस्टेबल अमित और इकबाल घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। शालीमार गार्डन के सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी के पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस बीच, आरोपी के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। उसके चचेरे भाई मेहबूब और सौतेले भाई नसीम ने कहा कि परिवार ने अपराध के दिन ही उससे संबंध समाप्त कर लिया था और वे शव पर दावा नहीं करेंगे। ट्रांस-हिंडन क्षेत्र के पसौंडा गांव में कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया। नगर निगम पार्षद के पति फिरशाद चौधरी ने समर्थकों के साथ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर कार्रवाई की सराहना की। पुलिस ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोग पुलिस प्रशासन की तारीफ कर रहे हैं।